



महाराष्ट्र शासन
सा. वि. वि.
मुंबई
१९६३

श्री
नंपाल दक्षया
अऊन बाध

अरुण बाध



चवहः-

स्वर्गीय. आयुर्वेदीय चिकित्सक, वैद्य पन्नाप्रसाद जोशी

सर्वाधिकार सुरक्षित

मानदास लुमन्ति प्रकाशन
असन कमलाख्या, काठमाडौं

पिकाहः

मूल्यः Rs 3 - P. 0 0

बसन्त राज, असन, काठमाडौं नेपाल

ने. सम्बत्-

११००

मूल्य १

जिगु निवेदन

थौकहयू सकभनं बालक बालिकातयूत थव थवगु मातृ
भाषां हे शिक्षा बियेगु चलनजुया बल । भोसनं थव मचातयूत
भीगु हे भाषां शिक्षा बियेगु यायेमाला । भाषा प्रेमी
निह्य प्यह्य सज्जन पनिसेनं पाठावलि पुथि व बाखंचातनं पित-
कया हया च्वनगुदु, उकिया नाप नापं जिनं थव 'नेपाल देशया-
अक्षर बोध' पिकया । आशादु थव आखल ह्यसीका . थव
मचातयूसं लिपा भीगु पुलां पुलांगु शिलालेख व पुथि
(ग्रन्थ) आदि स्वया भी देशया प्राचीन सभ्यता व भाषाया
विषये आपालं ज्ञान प्राप्तयाये फयी ।

थव अक्षर बोधया आखलया थासा दयेका वियादीह्य
शिल्पकला विज्ञ जोगरत्न सिन्दुराकारया जि अत्यन्त ऋणी
जुया च्वनागुदु, वयूकऽनं थुलि परिश्रमयाना थासादयूक
न्यूगुलिं थव सफू प्रकाशयायूगु अवसर दत ।

श्रीरस्तु

विनीत—

पम्नाप्रसाद जोशी

६७

ॐ

नमोवागीश्वराय

स्ववर्ध

माश्रुत३

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ ॠ

२ २ ३ ३

ॐ अं अः

नमोवागीश्वराय

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ
लृ लृ ए ऐ ओ औ अं अः

अस्मास

अ इ उ ऋ ॠ २ ३ ॐ अं
आ ॠ ॡ ॢ ॣ । ॥ अः

व्येष्टनवर्ध

वाभाख

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म

य व ल व

श ष स ह

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	

श ष स ह

३

स्वर्णयागवर्णनवर्ध

क का कि की कु कू कृ कृ
क कै को कौ कं कः

ग ग्ग ० धा धा धा धा

गु तु भु शु हु जू तू भू हू

कृ हृ रृ हृ कृ हृ हृ हृ

ग ले लो लो लो लो लो लो

क का कि की कु कू कृ कृ

कै कै को कौ कं कः

गा आ ठा णा या धा शा

गु तु भु शु हु जू तू भू हू

जृ तृ भृ हृ जृ तृ भृ हृ

गे गे गो गौ जे जै जो औ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ठे ठे ठो ठो ए ऐ ओ औ
 थे थे थो थो धे धे धो धो
 शे शे शो शो ५

अध्यास

कत३ खलक गल घल कल वग३ ऊन
 अग जल गथा थासा थल पासा खापा रु
 ल मन गमाल किसि खिया कल मिसा
 पिवा लिसा खू कसा वू कू रगि जिलाषि
 सुका कूसा पूरा कृपा दध कंध खैव कैव
 खै वाकू माकू पाठ विनू पालू खायू खाकू
 आख३ वानमा३ खायमइ

१

यसायाग मेऽनवर्ध

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ म न
 ट ठ ड ध न्य
 प र व स म य र ल व
 ध घ स झ

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ म न
 ट ठ ड ध न्य
 प य व य भ्य म य न्य ल्य व्य
 श्य व्य स्य ह्य

अस्मात्

कस्मात् स्मात् कस्मात् स्मात्
 कस्मात् स्मात् कस्मात् स्मात्
 मत् कस्मात् कस्मात् कस्मात्

५

नरसिंहावर्ध

क ख य घ ङ रु क प्र
 द ० उ रु ध ङ ध द ध न
 प्र रु व प्र म
 य ल ध ध व प्र ङ

क ख प्र प्र प्र रु प्र भू
 दू दू दू दू गु ल थ दू प्र प्र
 प्र फ प्र ध प्र
 यू लू प्र श्र पू स ह

अस्मात्

कम शिष्य वक्त्र वक्त्र रुद्र प्रथम वक्त्र
 आना वानरु नानायध वक्त्र वीन महाकाल
 प्रथमाग शिआ विथमा ३

सप्तयागवर्ध

क ध ग घ ङ क ख ग घ ङ

कण गण ण ण ह दण

अस्यास

गीऊ कृऊ प्राहैय नृध

नसप्तयागवर्ध

क ख ग घ ङ क ख ग घ ङ

न ध द ध न न रू व रू म

य ल ञ ल ङ

क ख म म न छन न मन

ब म द ध न म पन न भ म

य ल न भ स ह

अस्यास

नय विघ्न यत्त पञ्च नय श्या कन मयू

विघ्न पाय मर्तव्य स्यालस यागमा १

मर्स्यागवर्ध

का र्ण ग घा वा झ ञ्ज ज्ञ
 द्र ञ्ज अ वा धा ल धा द धा न
 प र्ण क र्ण म य न ल वा
 धा वा ल क

कम रुम गम धम चम छम जम भम
 दम ठम डम ढम एम तम थम द्र धम नम
 पम फम बम मम यम जम लम वम
 शम षम सम ह

अस्मात्

इम आधान आत्मा पत्र कल पापा
 पत्रा सतस वानक विष्णु याग नमस्कानया
 य सफल या आत्मा कसियक गाल कल

लसंयागवर्ध

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
प फ ब भ म य र ल व श ष ह

क खल गल घल ङल चल जल मल
दल ढल डल ढल णल तल थल दल धल नल
प फल बल भल मल यल रल लल वल शल षल हल

अस्यास

अकवर्धक यद मा रूस्त्र गरिवा
कायमयू गरुं कासादेम ॐ मय्यक मवा
निग कयां खंग रूस्त्र आपा खं कायमयू

वर्णयोगवर्ध

क ख ग घ ङ च छ ज ञ
 ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
 प फ ब भ म य र ल
 श ष स ह

क ख ग घ ङ च छ ज ञ भव
 ट ठ ड ढ ण त थ द ध न्व
 प फ ब भ म य र ल
 श ष स ह

अष्टास

काठु खाठु खाकिं धाकल धालू ला
 कल धाकल लाथल काकं लामी धाकल
 ग्वना खं काठु के मा ३ बस ३ खाठु ग् पुने
 मा ३ खाकिं क्रमिसा धालक खं ज्ञाना चान
 मधू धामा धाक ३ विनाबल लाकलस ग
 या पालना ३ खापुगंस निशदनि

पूर्वभागीय योऽसवर्धसंयाम

कं खं गं घं चं छं जं
 छं छं छं छं छं न न्य न्द न्य न
 म् म् म् म् म् म्

कं खं गं घं चं छं जं
 सट एठ एड एढ एण न्त न्य न्द न्य न
 म् म् म् म् म् म्

अस्मात्

कक्षं कक्षं गक्षं सक्षं घक्षं चक्षं
 ल लाक्षं न जक्षं ल जक्षं ट टक्षं कक्षं
 दक्षं तक्षं गक्षं नन्दन सिन्धु कम्प पम्प
 वम्बाळ कम्बल सम्बल गम्भीन
 गक्षं स्त्राने यायेमा १ सक्षं वलाके मा १ जक्षं
 ल लाक्षं मा १ मन वक्षं ल यायेमश्च मयक्ष्य
 न घक्षं ला लाक्षं मा १

मिश्रसंयोगवर्ध

क क र ख प्र ध इ व ऋ ॐ
 ह ष ष ह रु ल स रू स रु
 स्थ द व उ प य य य स ॐ
 क श छ ज्ञ म न द ल स रु
 न्द ला स ज अ क क क ल स
 त थ स स म व र्ध व र्ध र्ध
 ऊ र्ध र्ध र्ध र्ध र्ध र्ध र्ध र्ध
 क ण्क स्क स्ख ज द द श र्ख ज्ञ
 न ए ष ह त त्क त्क त्क त्स स्त
 स्थ ह व्ध डु प ण य ण्क स्प भ
 क च च्छ ज भभ स्फ र्द ल्क ल्क ल्क
 न्द ला स त दण दम ह्द द्द त्र त्र्य
 त्व न्द्य न्त्य म्र त्र च्च श्च ण्द्र र्ध न्त्र
 र्ज र्ज र्ज र्ज र्ज र्ज र्ज र्ज

अस्यास

स्थ द्वापां दन मा ३ माम वव्या उमि
 पालिस रगि गया अनिया यमा ३ नगल
 स सनखी मारु लमनकं माल आख ३
 वाने मा पासा पति सकल यात आखल
 स झाके मा ३ आख ३ वांकिक्क गुनू मा
 म व्वा रुश थमन थकालि पिसं ध ३ (थ
 वाने मा सुताप कछा याय मथी सुयान
 नगल स्याके मथू धीले खलाव वांलाके मा
 ३ रिंक्क पासा नाप वूल मा ३ थ (धमक कपू
 सदा काली नगलस लूमका मथ मा ३

(धमक ४

क ४ काल ४ कानि मिशालि का द ४ ४ का
 व्यया गमो ॥ क ४ ४ ४ कावम ४ कि निनि
 विन्ध्य मूह मूह ३ ॥

१४
श्लोक

वेदानुधनं जगन्निबहं
 ह्यलमल मृदिभुक्तं ।
 देह्यं दानयक्तं वलिं क्लृप्त्यक्तं
 कुतः कुर्यं कूर्वक्तं ॥
 पोलस्यं गयक्तं हलीकलयक्तं
 कानूधमा कन्वक्तं ।
 सक्कान् मूर्कयक्तं दम्भाकृतिक्कक्तं
 कृष्णाय नमः ॥

सार्धं

१
३

२
१

३
७

४
२

५
०

१
६

२
७

३
८

४
९

५
०

अरमस्तु

शक्ति

थाकुम्ह-

अजन्ता आर्ट प्रेस—जंतामबाड़ी-वाराणसी